डाक पंजीयन क्रमांक - म.प्र./भोपाल/357/2021-23

मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967

मध्यप्रदेश सहकारी समाचार

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ भोपाल का प्रकाशन

Website : www.mpscu.in
E-mail : rajyasanghbpl@yahoo.co.in

हिन्दी/पाक्षिक

प्रकाशन 16 जून, 2023, डिस्पेच दिनांक 16 जून, 2023

| वर्ष 67 | अंक 02 | भोपाल | 16 जून, 2023 | पृष्ठ 8 | एक प्रति 7 रु. | वार्षिक शुल्क 150/- | आजीवन शुल्क 1500/- |

किसान अन्नदाता ही नहीं, भारत का भाग्य विधाता भी है - रक्षा मंत्री

मुख्यमंत्री के करिश्माई नेतृत्व और उत्तम कार्यों की जितनी सराहना करें, कम है

शिवराज ने तहे दिल से जनता की सेवा की है

हमारा देश कमजोर नहीं, इस पार ही नहीं उस पार जाकर हमलावरों को सबक सिखाएगा भारत

मुख्यमंत्री किसान-कल्याण योजना की राशि 4 हजार से बढ़ा कर 6 हजार रूपये होगी : मुख्यमंत्री श्री चौहान

लाड़ली बहना योजना में ट्रेक्टर रखने वाले परिवार की लाड़ली बहना भी पात्र

मोदी सरकार के 9 वर्ष प्रगति, विकास, जन-कल्याण और महिला सम्मान के लिये समर्पित

किसानों के खाते में 6 हजार 423 करोड़ रूपये अंतरित

भोपाल : रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि किसान अन्नदाता ही नहीं, भारत का भाग्य विधाता भी है। किसान के बेटों ने सीमाओं की रक्षा की है। भारत को ताकतवर बनाने के लिए किसानों को ताकतवर बनाना होगा। चाहे स्वतंत्रता की लड़ाई हो, वर्ष 1857 का संग्राम हो, चम्पारण का सत्याग्रह हो या गुजरात के बारडोली का आंदोलन, किसानों ने अंग्रेजों की चूल्हें हिला दी थीं। आज मध्यप्रदेश में इस किसान-कल्याण महाकुंभ में किसानों की बड़ी संख्या में उपस्थिति हर्षित करने वाली है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान प्रदेश में विकास और किसान, गरीब, बेटियों आदि सभी के लिये करिश्माई कार्य कर रहे हैं। वे जनता के लिये तहे दिल से कार्य कर रहे हैं। जनता उन्हें कितना अधिक प्यार करती है, यह आज मैं देख रहा हूँ। रक्षा मंत्री श्री सिंह राजगढ़ जिले में किसान-कल्याण महाकुंभ को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री किसान-कल्याण योजना में राज्य सरकार 4 हजार रूपये के स्थान पर अब 6 हजार रूपये की राशि प्रतिवर्ष किसानों को प्रदान करेगी। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में किसानों को प्रतिवर्ष 6 हजार रूपये प्राप्त होते हैं। इस प्रकार अब किसानों को मिलने वाली यह राशि 12 हजार रूपये वार्षिक हो जायेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लाड़ली बहना योजना में ऐसे परिवार भी लाभान्वित होंगे, जहाँ ट्रेक्टर हैं। ट्रेक्टर को चार पहिया वाहन की श्रेणी में नहीं माना जायेगा। इन परिवार की बहनों को भी 1000 रूपये प्रतिमाह मिलेंगे। उन्होंने कहा कि खाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। राज्य सरकार खाद-बीज के अग्रिम उठाव का 3 माह का ब्याज भी भरेगी। उन्होंने किसानों से कहा कि समर्थन मूल्य पर मूंग की खरीदी शीघ्र ही शुरू होगी।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री सिंह और मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सिंगल क्लिक से मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना-2023 में 11 लाख किसानों के खाते में 2 हजार 123 करोड़, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में 44 लाख 49 हजार किसान के खाते में 2 हजार 900 करोड़, मुख्यमंत्री किसान-कल्याण योजना में 70 लाख 61 हजार किसान के खाते में एक हजार 400 करोड़, इस प्रकार 6 हजार 423 करोड़ ,रूपये की राशि अंतरित की। कार्यक्रम में किसानों के साथ ही बड़ी संख्या में बहनें एवं बेटियाँ एकत्र हुईं।

रक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि भारत अब कमजोर देश नहीं है। किसी भी देश की हिम्मत नहीं कि आँख उठाकर हमारी ओर देखे। भारत के लोगों का विश्वास वसुधैव कुटुम्बकम में है। विश्व की धरा पर रहने वाले सभी लोगों को हम अपना मानते हैं। भारत किसी भी देश पर आक्रमण नहीं करता, यह हमारा चरित्र है। हम किसी को नहीं छेड़ेंगे, लेकिन कोई हमें छेड़ेगा, तो हम भी छोड़ेंगे नहीं। भारत इस पार नहीं, उस पार जाकर भी आतंकवादियों और हमलावरों को सबक सिखा सकता है। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सर्जिकल स्ट्राइक के फैसले से जग-जाहिर हो चुका है। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंह ने कहा कि महिलाओं को सेना में महत्व दिया जा रहा है। अब वे बड़ी संख्या में न सिर्फ सेना में आ रही हैं, बल्कि नेतृत्व के लिए भी तैयार हुई हैं। प्रमुख नौसेना युद्धपोत की प्रमुख भी महिला है। नए भारत के निर्माण में बहनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बहनों की भागीदारी बढ़ाने का कार्य किया है।

मध्यप्रदेश में शिवराज जी कर रहे करिश्माई कार्य

रक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि किसान-कल्याण सहित विभिन्न क्षेत्रों में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने करिश्माई कार्य किया है। उन्हें स्मरण है कि जब वे कई वर्ष पूर्व मुख्यमंत्री श्री चौहान के निमंत्रण पर किसान सम्मेलन में मध्यप्रदेश आए थे, तब किसानों को 4 प्रतिशत ब्याज पर ऋण मिलता था, जिसे उन्होंने शून्य प्रतिशत तक लाने का कार्य किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने किसानों के हित में एक नहीं अनेक कदम उठाए हैं। यह उनके संवेदनशील होने का प्रमाण है। प्रधानमंत्री श्री मोदी की तरह मुख्यमंत्री श्री चौहान भी जन-कल्याण के लिए करिश्माई नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं। राजगढ़ की इस सभा में मौजूद विशाल जन-समुदाय भी इस बात का प्रमाण है कि मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जनता की काफी सेवा की है। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंह ने कहा कि किसान अन्नदाता, जीवनदाता और भाग्य-विधाता हैं। किसानों को मजबूत बनाए बिना हमारा देश विकास नहीं कर सकता। मध्यप्रदेश की सरकार ने किसान भाईयों और बहनों के लिए अतुलनीय कार्य किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में भी विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं।

केन्द्र सरकार ने गाँव, गरीब और किसानों की चिंता की है

रक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने डिजिटल इंडिया के निर्माण के लिए अद्भुत कार्य किया है। देश में 29 लाख करोड़ रूपए के भुगतान सिर्फ मोबाइल से हो रहे हैं। डिजिटल क्रांति का ही यह उदाहरण है कि आज सब्जी की दुकान पर भी ई-पेमेंट हो रहा है। गत 9 वर्ष में गाँव, गरीब और किसान की चिंता की गई है। किसानों के लिए कोई सरकार कार्य करती है, तो उन पर कोई एहसान नहीं करती। कृषि कल्याण को प्राथमिकता दी गई है। हमारी कथनी और करनी में अंतर नहीं होना चाहिए। केन्द्र और राज्य सरकार ने जो कहा वह किया है। पूर्व सरकार और वर्तमान सरकार के कार्यों में जमीन-आसमान का अंतर है। यही बात मध्यप्रदेश के लिए भी कही जा सकती है। प्रधानमंत्री द्वारा जल-जीवन मिशन के तहत घर-घर तक जल पहुँचाने का संकल्प लिया गया है। मध्यप्रदेश ने इस क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करते हुए 60 लाख परिवारों तक टोटी से जल-प्रदाय करने का कार्य किया। देश में अनाज का उत्पादन बढ़ा है। भारत विश्व में जिन क्षेत्रों में छठवें से दसवें स्थान पर था, अब वह पहले और दूसरे स्थान पर आ रहा है। केन्द्र सरकार के बजट में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कृषि बजट भी बढ़ा है। शौचालयों के निर्माण का प्रश्न हो या सड़कों के निर्माण का, भारत निरंतर प्रगति कर रहा है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने "कैसी हो मेरी बहनों" के आत्मीय संबोधन से अपना उद्बोधन शुरू किया। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय रक्षा मंत्री का विशेष अंदाज में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि भारत को रक्षा क्षेत्र में महाशक्ति बन कर उभारने में प्रधानमंत्री श्री मोदी और रक्षा मंत्री श्री सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। एक समय था जब छोटे-छोटे राष्ट्र भारत को आँख दिखाते थे, अब प्रधानमंत्री और केंद्रीय रक्षा मंत्री के नेतृत्व में भारत शक्तिशाली बना है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व के केंद्र सरकार के सफल 9 वर्ष पूर्ण हुए हैं। आमजन भी आज उनका अभिनंदन कर रहे हैं।

ट्रेक्टर धारक परिवार को भी लाड़ली बहना योजना का लाभ मिलेगा

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने एक महत्वपूर्ण घोषणा में कहा कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में अब ऐसे परिवार भी लाभान्वित होंगे जहाँ ट्रैक्टर हैं। योजना के प्रावधानों में पूर्व में तय किया गया था कि चार पहिया वाहन जिस परिवार के पास है, उस परिवार की महिला सदस्य को मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में पात्रता नहीं होगी। अब ट्रेक्टर रखने वाले परिवार को भी मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना का लाभ मिलेगा।

अब किसानों को 4 हजार के स्थान पर 6 हजार प्रतिवर्ष सम्मान राशि मिलेगी

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि किसान-कल्याण महाकुंभ में बड़ी संख्या में किसान बंधु आये हैं।

(शेष पृष्ठ 4 पर)

आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय 10 हजार से बढ़ाकर 13 हजार रुपए होगा : मुख्यमंत्री

इंसेंटिव के रूप में प्रतिवर्ष होगी 1000 रूपए की वृद्धि

सेवानिवृत्ति पर आँगनवाड़ी कार्यकर्ता को एक लाख 25 हजार, सहायिका को एक लाख रूपये मिलेंगे

5 लाख रूपए का होगा बीमा

मिनी आँगनवाड़ी कार्यकर्ता को मिलेगा 6 हजार 500 रूपये प्रतिमाह मानदेय

सहायिका से आँगनवाड़ी कार्यकर्ता पर पदोन्नति के लिये 50% पद आरक्षित होंगे

मुख्यमंत्री श्री चौहान आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के सम्मेलन में हुए शामिल

भोपाल : मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय 10 हजार रूपए से बढ़ा कर 13 हजार रूपए किया जाएगा। मानदेय में इंसेंटिव के रूप में 1000 रूपए की वृद्धि प्रतिवर्ष की जाएगी। आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना का 1000 रूपए प्रति माह अलग से प्राप्त होगा। मिनी आँगनवाड़ी कार्यकर्ता का मानदेय भी 6 हजार 500 रूपये प्रतिमाह कर दिया गया है। आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को सेवानिवृत्त होने पर एकमुश्त एक लाख 25 हजार रूपए और सहायिकाओं को एक लाख रूपए उपलब्ध कराए जाएंगे। आँगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं का 5 लाख रूपए का स्वास्थ्य और दुर्घटना बीमा कराया जाएगा। सहायिका से आँगनवाड़ी कार्यकर्ता के पद पर पदोन्नति के लिए 50 प्रतिशत पद आरक्षित होंगे। आँगनवाड़ी कार्यकर्ता को शासकीय कर्मचारी की तरह सुविधा होगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने यह घोषणा आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के भेल दशहरा मैदान में हुए सम्मेलन में की। मुख्यमंत्री भारतीय मजदूर संघ तथा मध्य प्रदेश आँगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका महासंघ के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

योजनाओं के क्रियान्वयन में आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका सराहनीय

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की भूमिका सराहनीय है। लाड़ली लक्ष्मी और मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना केक्रियान्वयन में आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहता हैं। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना को लागू करवाने में आँगनवाड़ी की बहनों ने कठिन परिश्रम किया है, जो अभिनन्दनीय है। बहनों ने कम समय में दिन-रात एक कर एक करोड़ 25 लाख पंजीयन कराए, यह बड़ी उपलब्धि है। कुपोषण कम करने के लिए आँगनवाड़ी कार्यकर्ता-सहायिकाओं के सतत प्रयास जारी हैं।मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमारी सरकार ने आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के परिश्रम और उनके द्वारा समाज के लिए किए जा रहे कार्यों का सदैव सम्मान किया है और समय -समय पर मानदेय में वृद्धि की है।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना सामाजिक क्रांति की एक महत्वपूर्ण कड़ी

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना, मेरे अंतर्मन से निकली योजना है। भारत में प्राचीनकाल में महिलाओं का बहुत सम्मान था, परंतु देश के गुलाम होने के बाद महिलाओं के साथ अन्याय हुआ। ऐतिहासिक कारणों के परिणामस्वरूप घरों में भी महिलाएँ दोयम दर्जे के व्यवहार की शिकार हुई। अपनी छोटी-मोटी जरूरतों के लिए भी बहने दूसरों पर निर्भर थीं। उनकी स्थिति में सुधार के लिए ही प्रदेश में लाड़ली लक्ष्मी योजना, कन्या विवाह योजना, अन्य प्रोत्साहन गतिविधियाँ और महिला सशक्तिकरण के लिए योजनाएँ क्रियान्वित की गईं। लाड़ली बहना योजना भी इस सामाजिक क्रांति की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। सम्मेलन में भारतीय मजदूर संघ और मध्यप्रदेश आँगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका महासंघ के प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार रखे।

मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना में सभी पात्र किसानों को लाभान्वित करें : सहकारिता मंत्री डॉ. भदौरिया

भोपाल : सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया ने कहा है कि मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना 2023 में सभी पात्र किसानों को लाभान्वित किया जाये। मंत्री डॉ. भदौरिया योजना के राशि वितरण कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे।

मंत्री डॉ. भदौरिया ने कहा कि इस बात का ध्यान रखा जाये कि एक भी पात्र किसान योजना में शामिल होने से नहीं छूटे। योजना में 8 लाख से अधिक किसानों के आवेदन मिले चुके हैं। उन्होंने कहा कि 12 जून को होने वाले राशि वितरण कार्यक्रम में अधिक से अधिक किसानों की भागीदारी सुनिश्चित हो। प्रमुख सचिव सहकारिता श्री उमाकांत उमराव, एम.डी. अपेक्स बैंक श्री पी.एस.तिवारी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

लाड़ली बहनों को मिलने वाली मासिक 1000 की राशि बढ़कर होगी क्रमश: 3000 रुपए : मुख्यमंत्री

अब 21 वर्ष की विवाहित बहनें भी योजना का लाभ प्राप्त करेंगी

पाँच वर्ष में सभी बहनें होंगी लखपति क्लब में शामिल

वृद्ध महिलाओं की पेंशन बढ़कर होगी 1000 रूपये

जो कहता हूँ करके दिखाता हूँ

सिंगल क्लिक से 1.25 करोड़ बहनों के खातों में हुआ राशि का अंतरण

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बहनों पर पुष्प-वर्षा के साथ किया राशि का अंतरण

जबलपुर के राज्य स्तरीय कार्यक्रम से जुड़ी पूरे प्रदेश की बहनें

भोपाल : मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना का लाभ लेकर बहनें मजबूत होंगी, वे अब मजबूर नहीं रहेंगी। योजना में प्रति माह 1000 रूपये की राशि देने के प्रावधान में संशोधन कर बहनों को क्रमश: बढ़ी हुई राशि का भुगतान किया जाएगा। आवश्यक वित्त व्यवस्था के फलस्वरूप योजना में 1000 रूपये के स्थान पर क्रमश: 1250 रुपए, इसके बाद 1500 रूपए, फिर 1750 रूपए, फिर 2 हजार रूपए और इसके बाद 2250 रुपए, 2500 रूपए और 2750 रूपए करते हुए राशि को 3 हजार रूपए तक बढ़ाया जाएगा। इसी तरह योजना के लिए विवाहित पात्र बहन की आयु न्यूनतम 23 वर्ष के स्थान पर 21 वर्ष की जाएगी। इसी तरह बहनों को आने वाले 5 वर्ष में लखपति बनाते हुए लखपति क्लब में शामिल किया जाएगा। वर्तमान में 23 से 60 वर्ष की विवाहित बहनें योजना में पात्र हैं। बहनों की आय कम से कम 10 हजार रूपए मासिक होना चाहिए। स्व-सहायता समूहों और आर्थिक समृद्धि की योजनाओं से लाभान्वित करते हुए बहनों की जिंदगी में सुख और आनंद लाने का कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि लाड़ली बहनों को वे अपना परिवार मानते हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जबलपुर में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में बहनों के खातों में मासिक राशि अंतरित करने के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सिंगल क्लिक के माध्यम से 1.25 करोड़ बहनों के खाते में कुल 1209.64 करोड़ रूपए की राशि अंतरित की। इस कार्यक्रम से पूरे प्रदेश की बहनें भी जुड़ीं। प्रदेश के वार्डों और ग्रामों में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का प्रसारण किया गया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वे बहनों को अब परिवार में आर्थिक रूप से किसी विवशता का सामना नहीं करना पड़ेगा। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में मिलने वाली राशि उनके जीवन में आनंद लाने का कार्य करेगी। परिवार में बच्चों के लिए दूध, फल, दवाई लाने, उनकी पढ़ाई के प्रबंध को बेहतर बनाने में योजना की राशि उपयोगी होगी। परिवार में बहन के साथ बच्चों को भी आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में लाड़ली बहना सेनाएँ भी बनेंगी। बड़े ग्रामों में 21 सदस्य और छोटे ग्रामों में 11 सदस्य वाली सेनाएँ गठित होंगी। लाड़ली बहना सेना अन्याय और शोषण के खिलाफ लड़ेंगी। यह सेनाएँ महिलाओं को उनके कल्याण की योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद करेगी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि राज्य सरकार ने अनेक महिला कल्याण योजनाओं से बहनों और बेटियों का सशक्तिकरण किया है। लाड़ली लक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, स्व-सहायता समूहों द्वारा आर्थिक उन्नयन की गतिविधियों से बहनें सशक्त हुई हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पूर्व सरकार ने बेटियों को लेपटाप प्रदान करने, बैगा, सहरिया और भारिया जनजाति की बहनों को प्रति माह दी जाने वाली आहार अनुदान राशि का भुगतान बंद कर दिया था जिसे हमारी सरकार ने पुन: प्रारंभ किया। पूर्व सरकार ने और भी कई कल्याणकारी योजनाएँ बंद करने का कार्य किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि विशेष पिछड़ी जनजातियों को पोषण के लिए दी जाने वाली राशि का ही विस्तार करते हुए मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना का निर्माण किया गया। बहनों का कष्ट और दुख वे अपना कष्ट मानते हैं। बहनों के सम्मान के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। पंचायत राज संस्थाओं में 50 प्रतिशत और पुलिस में 30 प्रतिशत स्थान बेटियों के लिए सुरक्षित रखे गए हैं। इसी तरह बेटियों और बहनों के नाम पर संपत्ति की रजिस्ट्री की जाने पर मात्र एक प्रतिशत शुल्क लिया जाता है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आज का दिन स्वर्णिम दिन है। बेटियाँ और बहनें अब रोने या विलाप करने का कार्य नहीं करेंगी। आनंद की अनुभूति से उनके जीवन को बेहतर बनाना प्रमुख उद्देश्य है। मुख्यमंत्री ने उपस्थित महिलाओं का आहवान किया कि वे अपने आँसू पोछकर घरों से बाहर निकले, अपनी जिंदगी बेहतर बनाये। श्री चौहान ने महिलाओं का अपना परिवार बनाने, देश बनाने के लिए संकल्पबद्ध होने को कहा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कन्या-पूजन और एक बहन को शाल, श्रीफल भेंट कर एवं पाँव पखार कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 341 करोड़ रूपये लागत के 73 विकास एवं निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया। इन कार्यों में स्मार्ट सिटी जबलपुर के विभिन्न कार्य, सीएम राइज विद्यालय, अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के कल्याण कार्यों के साथ ही राजमार्ग उन्नयन एवं सड़क निर्माण के कार्य शामिल हैं। कार्यक्रम का प्रारंभ मध्यप्रदेश गान और दीप प्रज्ज्वलन से हुआ।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विकास कार्यों पर केंद्रित प्रदर्शनी एवं वीरांगनाओं के योगदान पर केंद्रित विशेष प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम के दूसरे हिस्से में प्रभावशाली सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति कलाकारों द्वारा की गई। मुख्यमंत्री श्री चौहान का विभिन्न जन-प्रतिनिधियों ने स्वागत किया। अनेक बहनों ने मुख्यमंत्री श्री चौहान को एक विशाल राखी भी भेंट की।

सांसद श्री विष्णु दत्त शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान संचालित किया तो मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मध्यप्रदेश में लाड़ली लक्ष्मी योजना का लाभ 45 लाख से अधिक बेटियों को दिया। अब बहनों को प्रतिमाह राशि प्राप्त होगी ।समाज में परिवर्तन का यह महत्वपूर्ण प्रयास है। सांसद श्री राकेश सिंह ने स्वागत भाषण दिया।

कार्यक्रम में लोक निर्माण मंत्री श्री गोपाल भार्गव, भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय सचिव सुश्री पंकजा मुंडे, मध्यप्रदेश की महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती माया नारोलिया, निगम अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा, जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र जामदार, बुलंदशहर के सांसद श्री भोला सिंह,पूर्व मंत्री श्री अजय विश्नोई, श्री शरद जैन, विधायक श्री अशोक रोहाणी, श्री सदानंद गोडबोले, श्री सुशील तिवारी, श्रीमती नंदनी मरावी, श्री अंचल सोनकर, श्रीमती प्रतिभा सिंह, श्री हरेंद्र जीत सिंह बब्बू, श्री प्रभात साहू भी उपस्थित रहे।

खूबसूरत राखी एवं भावपूर्ण पाती भेंट कर माना आभार

मुख्यमंत्री श्री चौहान को लाड़ली बहनाओं ने बेहद ही खूबसूरत लंबी और बड़ी राखी भेंट की। साथ ही लाड़ली बहनों ने अपने लाड़ले भैया को अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए पाती भी भेंट की। सभी ने एक बड़े पुष्पहार से भी अभिनंदन किया। सभी बहनें इस अवसर पर बेहद ही प्रसन्न नजर आई।

ड्रॉईंग प्रतियोगिता की विजेताओं को किया सम्मानित

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने लाड़ली बहना थीम पर आधारित 8 जून को हुई ड्राइंग प्रतियोगिता की विजेताओं को सम्मानित किया। उन्होंने अनघा गायकवाड़, तान्या पटेल और शौर्य जैन को पुरस्कृत किया।

नारी सशक्तिकरण पर नृत्य नाटिका "सृष्टि रूपा" का हुआ मंचन

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के शुभारंभ पर नारी ओजस्विता और नारी सशक्तिकरण की थीम पर नृत्य नाटिका का बेहतरीन मंचन कलाकारों द्वारा किया गया। नृत्य नाटिका में प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री श्री चौहान के नेतृत्व में नारी सशक्तिकरण के लिये किये गये ऐतिहासिक और अभूतपूर्व फैसलों को बखूबी प्रदर्शित किया गया। इसमें पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचन में 50 प्रतिशत आरक्षण, पुलिस भर्ती में 30 प्रतिशत आरक्षण, महिलाओं के नाम रजिस्ट्री होने पर मात्र एक प्रतिशत का शुल्क, स्व-सहायता समूहों से महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, महिलाओं को नि:शुल्क ड्रायविंग लायसेंस सुविधा जैसी विभिन्न योजनाओं का रूपांकन किया गया।

मुख्यमंत्री रथ से पहुँचे कार्यक्रम स्थल

मुख्यमंत्री श्री चौहान समन्वय चौक से रथ पर सवार होकर कार्यक्रम स्थल पहुँचे। रथ मार्ग पर और कार्यक्रम स्थल पर लाड़ली बहनों ने पुष्प वर्षा कर अपने लाड़ले भाई श्री चौहान का आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने भी अपनी बहनों पर पुष्प वर्षा कर स्नेह प्रकट किया।

"नारी तू नारायणी, इस जग की पालनहारिणी"

कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेश की सभी बहनों को हाथ जोड़ कर प्रणाम किया। उन्होंने अपने संबोधन की शुरूआत करते हुए कहा कि - "नारी तू नारायणी, इस जग की पालनहारिणी"। माँ अन्नपूर्णा है तू ही, है तू ही वीणा वादिनी, है शक्ति स्वरूपा जगदंबा, है नारी तू नारायणी, इस जग की पालनहारिणी। हमारी भारतीय संस्कृति में भगवान से पहले माँ का नाम आता है, यथा-सीताराम, राधेश्याम, गौरीशंकर, लक्ष्मीनारायण।

श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'सहकार से समृद्धि' के विजन को साकार करने की दिशा में सरकार ने पांच और महत्वपूर्ण निर्णय लिए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'सहकार से समृद्धि' के विजन को साकार करने की दिशा में सरकार ने पांच और महत्वपूर्ण निर्णय लिए। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की रसायन और उर्वरक मंत्री श्री मनसुख एस मांडविया के साथ नई दिल्ली में हुई बैठक में यह निर्णय किये गए। बैठक में सहकारिता मंत्रालय व उर्वरक विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे I

बैठक में यह 5 महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए–

1. देशभर में लगभग एक लाख प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समितियां मौजूद हैं। मैपिंग के आधार पर उर्वरक खुदरा विक्रेता के रूप में कार्य नहीं कर रहीं प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PACS) की पहचान की जाएगी और व्यवहार्यता के आधार पर उन्हें चरणबद्ध तरीके से खुदरा विक्रेता के रूप में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।
2. जो PACS अभी प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों (PMKSK) के रूप में कार्य नहीं कर रही हैं उन्हें PMKSK के दायरे में लाया जाएगा।
3. जैविक उर्वरकों, विशेष रूप से फर्मेंटेड जैविक खाद (FoM)/ तरल फर्मेंटेड जैविक खाद (LFOM) / फॉस्फेट समृद्ध जैविक खाद (PROM) के विपणन में पैक्स को जोड़ा जाएगा।
4. उर्वरक विभाग की मार्किट डेवलपमेंट असिस्टेंस (MDA) योजना के तहत उर्वरक कंपनियां छोटे बायो-ऑर्गेनिक उत्पादकों के लिए एक एग्रीगेटर के रूप में कार्य कर अंतिम उत्पाद का विपणन करेंगी, इस आपूर्ति और विपणन श्रृंखला में थोक/ खुदरा विक्रेताओं के रूप में पैक्स को भी शामिल किया जाएगा।
5. उर्वरक और कीटनाशकों के छिड़काव के लिए पैक्स को ड्रोन उद्यमियों के रूप में भी कार्यरत किया जा सकेगा, साथ ही, ड्रोन का उपयोग संपत्ति सर्वेक्षण के लिए भी किया जा सकता है।

इन निर्णयों के लाभ: इन महत्वपूर्ण निर्णयों से प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के कार्य क्षेत्रों में विस्तार होगा जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी, साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में रोज़गार के भी अवसर बढ़ेंगे और किसानों को उर्वरक, कीटनाशक, बीज तथा कृषि मशीनरी आदि स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'सहकार से समृद्धि' के विजन को साकार करने के लिए, देश में 1,514 शहरी सहकारी बैंकों (UCBs) को मजबूत करने के लिए चार महत्वपूर्ण पहल की गईं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'सहकार से समृद्धि' के विजन को साकार करने के लिए, देश में 1,514 शहरी सहकारी बैंकों (UCBs) को मजबूत करने के लिए चार महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन और भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के गवर्नर के साथ विस्तृत चर्चा के अनुसार RBI ने शहरी सहकारी बैंकों(UCBs) को मजबूत करने के लिए इन महत्वपूर्ण उपायों को अधिसूचित किया गया है।

1. **अपने बिजनेस का विस्तार करने के लिए शहरी सहकारी बैंक (UCBs) अब नई शाखाएं खोल सकेंगे**
   UCBs अपने अनुमोदित कार्यक्षेत्र में अब RBI की पूर्वानुमति के बिना पिछले वित्तीय वर्ष की शाखाओं की संख्या के 10% तक (अधिकतम 5 शाखाएं) नई शाखाएं खोल सकते हैं। इसके लिए उन्हें अपने बोर्ड से नीति अनुमोदित करवानी होगी और वित्तीय रूप से मजबूत और सुप्रबंधित (FSWM) नॉर्म का पालन करना होगा।
2. **शहरी सहकारी बैंक भी वाणिज्यिक बैंकों की तरह एकमुश्त निपटान कर सकेंगे**
   भारतीय रिजर्व बैंक ने शहरी सहकारी बैंक (UCBs) सहित सभी विनियमित संस्थाओं के लिए इस पहलू को लागू करने वाला एक फ्रेमवर्क अधिसूचित किया है। अब सहकारी बैंक अपने बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीतियों के माध्यम से ऋण लेने वालों के साथ समझौता निपटान करने के साथ-साथ तकनीकी राइट-ऑफ की प्रक्रिया प्रदान कर सकते हैं। इसने सहकारी बैंकों को अब अन्य वाणिज्यिक बैंकों के बराबर ला दिया है।
3. **शहरी सहकारी बैंकों को दिए गए प्रायोरिटी सेक्टर लेंडिंग (PSL) लक्ष्यों के लिए संशोधित समय-सीमा**
   भारतीय रिजर्व बैंक ने शहरी सहकारी बैंकों के लिए PSL लक्ष्यों को प्राप्त करने के चरणबद्ध समय को दो वर्ष यानी 31 मार्च, 2026 तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। 60% के PSL लक्ष्य को प्राप्त करने की 31 मार्च, 2023 तक की समय सीमा को भी अब 31 मार्च 2024 तक बढ़ा दिया गया है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान PSL में रही कमी को दूर करने के बाद यदि कोई, अतिरिक्त जमा होगी तो उसे UCBs को वापस कर दिया जाएगा।
   वाणिज्यिक बैंकों की शाखाएं ग्रामीण क्षेत्रों में भी होती हैं जबकि UCBs शहरी क्षेत्रों में काम करते हैं, इसलिए उन्हें इस मामले में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।
4. **आरबीआई में एक नोडल अधिकारी नामित करना**
   RBI ने निकट समन्वय और केंद्रित संवाद (Focused interaction) के लिए सहकारी क्षेत्र की अरसे से लंबित मांग को पूरा करने के लिए हाल ही में एक नोडल अधिकारी भी अधिसूचित किया है।

इन पहल से शहरी सहकारी बैंकों को और मजबूती मिलेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्वे में भारत सरकार सहकारी समितियों को मजबूत करने तथा उन्हें लाभार्थी और भागीदार दोनों ही रूपों में अन्य आर्थिक संस्थाओं के बराबर लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

किसान अन्नदाता ही नहीं, भारत का भाग्य विधाता भी है .....

किसानों के सिर से ब्याज की राशि की गठरी उतारने का कार्य केन्द्रीय मंत्री श्री सिंह के हाथों हुआ है। पूर्व सरकार ने यह गठरी किसानों के सिर पर लादी थी। प्रदेश में किसानों से मूंग की खरीदी की पहल भी की गई है। सिंचाई का रकबा बढ़ने से किसान की हालत बदली है। कभी साढ़े सात लाख हेक्टेयर सिंचाई क्षमता वाला मध्यप्रदेश अब 45 लाख हेक्टेयर तक सिंचाई क्षमता बढ़ा चुका है। इसे आगे 65 लाख तक ले जाने का लक्ष्य है। राजगढ़ जिले में भी पूर्व सरकार ने सिंचाई की कोई व्यवस्था नहीं की थी। यहाँ तक कि 10 वर्ष तक मुख्यमंत्री रहे जन-प्रतिनिधि भी यह व्यवस्था नहीं कर सके थे। विद्युत आपूर्ति नहीं होती थी। घंटों तक बिजली बंद रहती थी। अब मध्यप्रदेश विद्युत के निर्माण में आत्म-निर्भर बना है। पूर्व सरकार ने सिंचाई और सड़क व्यवस्थाएँ भी नहीं की थीं। किसानों के साथ छल किया गया। उन्हें राहत देने के लिए उनकी सूची तक तैयार नहीं की गई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सुठालिया परियोजना से प्रभावित किसानों का मुआवजा बढ़ाने का निर्णय भी लिया जाएगा। राजगढ़ और प्रदेश के किसी भी जिले के किसानों के साथ अन्याय नहीं होने देंगे।

बहनों को लखपति बनायेंगे

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि परिवार में बहनों को मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के 1000 रूपए, वृद्धावस्था पेंशन के हितग्राहियों को भी प्रतिमाह बढ़ी हुई राशि के साथ किसान सम्मान निधि की बढ़ी हुई राशि मिलने से परिवार को मजबूत आर्थिक सहारा मिलेगा। मेरा बहनों को लखपति बनाने का संकल्प है। उन्हें गरीब नहीं रहने दिया जाएगा। स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं की आय में इतनी वृद्धि होगी कि वे प्रतिमाह 10 हजार या उससे अधिक आय अर्जित करने में सफल होंगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बहनों को आश्वस्त किया कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना उनकी जिंदगी बदलने का कार्य करेगी। इस योजना की धनराशि सभी बहनों के खाते में जमा होने की प्रक्रिया प्रारंभ हुई है जो आज या कल में पूर्ण हो जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बेटियों को बोझ न बनने देने और वरदान बनाने के संकल्प से अवगत करवाते हुए मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना और उसके पूर्व प्रारंभ की गई लाड़ली लक्ष्मी योजना एवं मुख्यमंत्री कन्या-विवाह योजना के उद्देश्य और क्रियान्वयन की सफलता की जानकारी दी। समाज में महिलाओं का सम्मान बढ़ाने के लिए यह योजनाएँ कारगर बनी हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि स्थानीय निकायों में बहनों और बेटियों को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। इससे महिलाओं की नगरीय निकाय और पंचायतों में भागीदारी सुनिश्चित हुई। यदि बहनों को सही अर्थों में आगे बढ़ाना है तो उन्हें पंचायतों और नगरीय निकायों में स्थान मिलना आवश्यक है। आज बहनें सरकार चला रही हैं। मकान, दुकान और जमीन महिलाओं के नाम से खरीदे जाने पर रजिस्ट्री शुल्क में रियायत दी जा रही है। सिर्फ 1% राशि पर रजिस्ट्री की जा रही है। यह उपाय सफल हुआ है। आर्थिक रूप से कमजोर बहनों को प्रतिमाह 1000 रूप्ए की राशि मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना में देने की व्यवस्था की गई है। घर और परिवार की छोटी-छोटी जरूरतें पहले पूरी नहीं होती थीं। अब महिलाएँ अपनी इच्छा से यह राशि खर्च कर सकेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लाड़ली बहना योजना में धनराशि की व्यवस्था करते हुए 1000 रुपए से क्रमश: बढ़ाते हुए 3000 रूपये तक प्रत्येक बहन को प्रदान किए जाएंगे। महिलाओं की जिंदगी और तकदीर बदलना प्रमुख उद्देश्य है। बहनों और बेटियों के सपने पूरे होंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बहनों की जिंदगी बदलना मेरी जिंदगी का उद्देश्य है। लाड़ली बहना सेनाएँ अन्य बहनों को योजनाओं को लाभ दिलवाएंगी। हर ग्राम में संगठन बनेगा। बहनें आगे बढ़ेंगी, किसान भी आगे बढ़ेंगे।

कार्यक्रम में गोरखपुरा ग्रामीण नल-जल योजना और जल-जीवन मिशन के अंतर्गत संपन्न कार्यों का भी केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री सिंह ने लोकार्पण किया। इस दौरान 156 ग्रामों से महिलाएँ कलश लेकर आई थीं। ग्रामीणों ने कालीपीठ और करनवास में उपस्थित होकर नई प्रारंभ परियोजनाओं के अवसर पर हर्ष भी व्यक्त किया।कार्यक्रम में आवासीय भू-अधिकार-पत्रों के विक्रय के साथ ही विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण, भूमि-पूजन भी हुआ। योजनाओं के हितग्राहियों को हित-लाभ वितरित किये गये। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने रक्षा मंत्री श्री सिंह का परम्परागत पगड़ी पहना कर स्वागत किया। किसान-कल्याण महाकुंभ का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।

देशभर में 2000 प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PACS) को प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र खोलने की अनुमति

नई दिल्ली में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री मनसुख एस मांडविया के साथ हुई एक बैठक में यह निर्णय लिया गया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार ने देशभर में 2000 प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PACS) को प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र खोलने की अनुमति देने का फ़ैसला किया है। नई दिल्ली में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री मनसुख एस मांडविया के साथ हुई एक बैठक में यह निर्णय लिया गया। देशभर में 2000 PACS की प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र के रूप में खोलने के लिए पहचान की जाएगी, इनमें से 1000 जन औषधि केंद्र इस साल अगस्त तक और 1000 दिसंबर तक खोले जाएँगे। इस महत्वपूर्ण निर्णय से PACS की आय बढ़ने और रोज़गार के अवसर पैदा होने के साथ ही लोगों, ख़ासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने को सस्ती क़ीमत पर दवाइयाँ भी उपलब्ध होंगी। बैठक में सहकारिता मंत्रालय के सचिव, रसायन एवं उर्वरक विभाग के सचिव और सहकारिता मंत्रालय व रसायन एवं उर्वरक विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

देशभर में अभी तक 9400 से अधिक प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र खोले जा चुके हैं। इनमें 1800 प्रकार की दवाइयां एवं 285 अन्य मेडिकल डिवाइस उपलब्ध हैं। ब्रांडेड दवाइयों की तुलना में जन औषधि केंद्रों पर 50% से 90% तक कम कीमत पर दवाइयाँ उपलब्ध हैं। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र खोलने के लिए पात्रता मानदंड के तहत व्यक्तिगत आवेदकों को डी. फार्मा/बी. फार्मा होना चाहिए। इसके लिए कोई भी संगठन, एन.जी.ओ., धर्मार्थ संगठन एवं हॉस्पिटल आवेदन के लिए बी.फार्मा/डी.फार्मा डिग्री धारकों को नियुक्त कर सकता है।

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र के लिए स्वयं या किराए का कम से कम 120 वर्ग फुट स्थान होना चाहिए। जन औषधि केंद्र के लिए आवेदन शुल्क 5000 रुपये है। महिला उद्यमी, दिव्यांग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और भूतपूर्व सैनिक विशेष श्रेणी में आते हैं। आकांक्षी जिले, हिमालयी पर्वतीय क्षेत्र, उत्तर-पूर्वी राज्य और द्वीप समूह विशेष क्षेत्र में हैं। विशेष श्रेणी एवं विशेष क्षेत्र के आवेदकों को आवेदन शुल्क में छूट है।

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र के लिए प्रोत्साहन राशि 5 लाख रुपये (मासिक खरीद का 15% या अधिकतम रुपये 15,000 प्रति माह) है। विशेष श्रेणियों एवं क्षेत्रों में आईटी और इन्फ्रा व्यय के लिए प्रतिपूर्ति के रूप में 2 लाख रुपये की एक मुश्त अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाती है।

'बिना सहकार - नहीं उद्धार' 'पैक्स कम्प्यूटराइजेशन' ग्रामीण व्यवस्था को सुदृढ़ करने में नींव का पत्थर साबित होगा

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के ''सहकार से समृद्धि'' के विजन को साकार करने की दिशा मे मध्यप्रदेश में केन्द्र प्रायोजित परियोजना ''पैक्स का कम्प्यूटरीकरण'' के तहत पैक्स के अधिकारियों हेतु एक दिवसीय बुनियादी उन्मुखीकरण (BOTP) प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 29.05.2023 से 03.06.2023 तक प्रदेश के 34 जिलों के लगभग 3002 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए श्री संजय कुमार सिंह महाप्रबंधक मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ द्वारा बताया गया कि, श्री ऋतुराज रंजन प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित भोपाल के मार्गदर्शन मे प्रदेश के 34 जिलों में 100 सत्रों का आयोजन किया गया।

श्री सिंह ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि, देवास मे 04 सत्र, मंदसौर में 03 सत्र, शाजापुर में 03 सत्र, छिन्दवाडा में 05 सत्र, मण्डला में 01 सत्र, नरसिंहपुर में 03 सत्र, हरदा में 02 सत्र, बैतूल में 03 सत्र, उज्जैन में 05 सत्र, मुरैना में 03 सत्र, श्योपुर में 02 सत्र, झाबुआ में 02 सत्र, ग्वालियर में 03 सत्र, दतिया में 03 सत्र, शिवपुरी में 03 सत्र, सागर में 05 सत्र, छतरपुर में 04 सत्र, पन्ना में 03 सत्र, दमोह में 03 सत्र, टीकमगढ़ में 02 सत्र, निवाडी में 01 सत्र, भोपाल में 01 सत्र, सिहोर में 03 सत्र, राजगढ़ में 04 सत्र, रीवा में 05 सत्र, सतना में 05 सत्र, शहडोल में 01 सत्र, उमरिया में 01 सत्र, अनुपपुर में 01 सत्र, इंदौर में 04 सत्र, बडवानी में 02 सत्र, बुरहानपुर में 02 सत्र, खरगौन में 04 सत्र, खण्डवा में 03 सत्र आयोजित किया गया।

श्री संतोष येड़े राज्य समन्वयक मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ द्वारा बताया गया कि, उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में नाबार्ड द्वारा प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स (जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अधिकारी/कर्मचारी) द्वारा प्रशिक्षण निम्न विषयों पर प्रदान किया गया जिसमें एफएचआर और एफवीआर (पैक्सों) को बैंक से जोडने वाला साफ्टवेयर), कम्प्यूटर आधारभूत परिचय एवं प्रचलित कम्प्यूटर संबंधित सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर एवं स्केनर, बायोमेट्रिक, पीओएस, थर्मल प्रिंटर आदि यंत्रों, कोप्स इंडिया पोर्टल का परिचय व उनके उपयोग एवं पैक्स कम्प्यूटराइजेशन परियोजना क्या है? परिवर्तन प्रबंधन के मूल तत्व जैसे–परिवर्तन प्रबंधन क्या, क्यों तथा सफल क्रियान्वयन हेतु जिम्मेदार कारक, पैक्स कम्प्यूटरीकरण के संबंध में परिवर्तन प्रबंधन, पैक्स् कम्प्यूटरीकरण के पहले और बाद का तुलनात्मक व्यवसाय विश्लेषण, हितधारकों के लिए कम्प्यूटरीकरण के लाभ, क्रियान्वयन चुनौतियां और रणनीतियां, पैक्स कम्प्यूटरीकरण परियोजना की आवश्यकता, परियोजना के लक्ष्य और उदेद्श्य, परियोजना क्रियान्वयन, परियोजना लागत, फण्ड का स्त्रोत और घटकवार व्यय का ब्रेकअप, पैक्स हेतु चयन के मापदण्ड, परियोजना निगरानी ईकाईयों की संरचना, भूमिकाएँ और जिम्मेदारियां, बनाई गई सम्पत्तियों के रख–रखाव और देखभाल इत्यादि विषयों पर प्रशिक्षण से पैक्स के अधिकारियों को लाभांवित किया गया।

एक दिवसीय बुनियादी उन्मुखीकरण (BOTP) प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 66 मास्टर ट्रेनर्स के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया जिसमें जिला सह. केन्द्रीय बैंक मर्या. देवास से श्री संजय जोशी सुपरवाइजर एवं सुश्री पायल जाधव कम्प्यूटर ऑपरेटर, जिला सह. केन्द्रीय बैंक मर्या. मंदसौर श्री मुकेश पालीवाल बैंकिंग सहायक एवं श्री अंकित रत्नावत डी.ई.ओ., जिला सह. केन्द्रीय बैंक मर्या. शाजापुर के श्री कुलदीप पाटीदार क्लर्क एवं श्री पूजा तिवारी क्लर्क, जिला सह. केन्द्रीय बैंक मर्या. छिन्दवाडा के श्री शिवम् लश्करी क्लर्क एवं श्री राजू रधुवंशी बैकिंग सहा. जिला सह. केन्द्रीय बैंक मर्या. मण्डला के श्री अतुल दुबे, लेखापाल एवं श्री हर्षित मंगल बैकिंग सहा., जिला सह. केन्द्रीय बैंक मर्या. नरसिंहपुर के श्री सचिन डरडा , बैंकिंग सहायक एवं श्री कुषरग तिवारी बैंकिंग सहायक, जिला सह. केन्द्रीय बैंक मर्या. हरदा श्री हिरेन्द्र सिसोदिया क्लर्क एवं श्री कमलेश नगले, क्लर्क, जिला सह. केन्द्रीय बैंक मर्या. बैतूल श्री नवलकिशोर सूर्यवंशी सीबीएस इंचार्ज एवं श्री महेश सोनारे क्लर्क, जिला सह. केन्द्रीय बैंक मर्या. उज्जैन के श्री कमल किशोर मथाने, बैंकिंग सहायक एवं श्री उमेश कुमार बामने बैंकिंग सहायक, जिला सह. केन्द्रीय बैंक मर्या. मुरैना के श्री कपिल जैन मेनेजर एवं श्री संतोष शर्मा, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. श्योपुर के श्री नितिन तिवारी, लेखापाल एवं श्री पंकज शेरा, फिल्ड सुपरवाइजर, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. झाबुआ के श्री कृष्णकांत नायक, एल.डी.सी. एवं नितिन जोहरी एल–1 इंजीनियर, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. ग्वालियर श्री नूरील खांन, क्लर्क एवं श्री सिद्धांत शर्मा क्लर्क, जिला सह. केन्द्रीय बैंक मर्या. दतिया श्री भानु खरे, प्रबंधक लेखापाल, सुश्री कदामवरी जैन, बैकिंग सहायक एवं श्री नीतू कुशवाहा बैकिंग सहायक, जिला सह. केन्द्रीय बैंक मर्या. शिवपुरी के सुश्री एकता शर्मा ब्रांच इंस्पेक्टर , श्री अवधेश बाजपेई फील्ड ऑफीसर एवं श्री अमर त्रिवेदी कम्प्यूटर ऑपरेटर, जिला सह. केन्द्रीय बैंक मर्या. सागर के श्री रितेश पाठक बैकिंग सहायक एवं श्री कुलदीप सोनी बैकिंग

(शेष पृष्ठ 6 पर)

(पृष्ठ 5 का शेष)

सहायक, जिला सह. केन्द्रीय बैंक मर्या. छतरपुर के श्री रजत गुप्ता क्लर्क एवं श्री करिश्मा पाल क्लर्क, जिला सह. केन्द्रीय बैंक मर्या. पन्ना श्री शिवकुमार पाण्डेय फिल्ड इंचार्ज एवं श्री इलियाज खांन, ऑडिट इंचार्ज, जिला सह. केन्द्रीय बैंक मर्या. दमोह के श्री दिनेश गर्ग, सोसायटी मैनेजर एवं श्री रूपनारायण पटेल सोसायटी मेनेजर, जिला सह. केन्द्रीय बैंक मर्या. टीकमगढ़ के श्री नवीन कुमार बाजपेई बैकिंग सहायक एवं श्री सुनील गजभिये बैकिंग सहायक, जिला सह. केन्द्रीय बैंक मर्या. निवाडी के श्री प्रदीप दीक्षित एएलडीसी, एवं श्री आरती लालवानी बैकिंग सहायक, जिला सह. केन्द्रीय बैंक मर्या. भोपाल के श्री हरीश बाथम एल–1 इंजीनियर एवं श्री खलील खांन सहायक लेखापाल, जिला सह. केन्द्रीय बैंक मर्या. सीहोर के श्री कृष्ण मोहन वर्मा, सहायक लेखापाल एवं श्री नितिन मेहता, क्लर्क, जिला सह. केन्द्रीय बैंक मर्या. राजगढ़ के श्री राधेश्याम अहिरवार एवं श्री लोकेंद्र सिंह चंद्रावत, जिला सह. केन्द्रीय बैंक मर्या. रीवा के श्री सुनील कुमार तिवारी सहायक लेखापाल एवं श्री अभिषेक मिश्रा बैकिंग सहायक, जिला सह. केन्द्रीय बैंक मर्या. सतना के श्री बृजेश कुमार सिंह लेखापाल एवं श्री रमाकांत पटेल लेखापाल, जिला सह. केन्द्रीय बैंक मर्या. शहडोल के श्री बृजेश कुमार सिंह लेखापाल एवं श्री रामाकांत पटेल लेखापाल, जिला सह. केन्द्रीय बैंक मर्या. उपरिया के श्री प्रवीण तिवारी सहायक लेखापाल, जिला सह. केन्द्रीय बैंक मर्या. अनूपपुर के सुश्री स्मिता सिंह बैकिंग सहायक, जिला सह. केन्द्रीय बैंक मर्या. इंदौर के श्री सुनील सतवासकर चीफ सुपरवाइजर एवं श्री धीरज शर्मा बैकिंग सहायक, जिला सह. केन्द्रीय बैंक मर्या. बडवानी के श्री हितेश पाटीदार क्लर्क एवं श्री अंकित यादव बैकिंग सहायक, जिला सह. केन्द्रीय बैंक मर्या. बुरहानपुर के श्री श्रेयांश शाह बैकिंग सहायक एवं श्री विशाल गुप्ता बैकिंग सहायक, जिला सह. केन्द्रीय बैंक मर्या. खरगौन के श्री अनिल कानूनगो मेनेजर, प्लानिंग एवं श्री रूपक असरोदिया सहायक लेखापाल, जिला सह. केन्द्रीय बैंक मर्या. खण्डवा के श्री श्रेयांश शाह, बैकिंग सहायक श्री विशाल गुप्ता बैकिंग सहायक द्वारा सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

एक दिवसीय बुनियादी उन्मुखीकरण (BOTP) प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु प्रत्येक जिले के उपायुक्त सहकारिता, नाबार्ड डीडीएम, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक एवं मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मुख्यालय से एक मॉनीटरिंग सेल का गठन किया गया एवं पर्यवेक्षक की टीम तैयार की गई जिसमे मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ के प्राचार्य, व्याख्याता, प्रशिक्षक एवं कार्यालय सहायक को प्रशिक्षण कार्यक्रम का पर्यवेक्षक के रूप में कार्य करने का दायित्व सौंपा गया जिसमें श्री जी.पी.मांझी प्राचार्य सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल, श्री व्ही.के.बर्वे प्राचार्य सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र जबलपुर एवं नौगांव, श्री दिलीप मरमट प्राचार्य सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर, श्रीमति रेखा पिप्पल व्याख्याता, श्री शिरीष पुरोहित कम्प्यूटर व्याख्याता, श्रीमति मीनाक्षी कम्प्यूटर व्याख्याता, श्री शोभित ब्यौहार लेखापाल सहायक, श्री पियूष राय, सह. प्रशिक्षक, श्री अखिलेश सिंह, सह. प्रशिक्षक, श्री जय कुमार दुबे सह. प्रशिक्षक, श्री एन.पी. दुबे सहा. लेखापाल, श्री हृदेश कुमार राय, सह.प्रशिक्षक, श्री बाबूलाल कुशवाहा, सह. प्रशिक्षक, श्री विनोद कुशवाहा, सह. प्रशिक्षक, श्री प्रवीण कुशवाहा, कार्या. सहा. श्री मो. शाहिद खांन श्रीमति श्रृद्धा श्रीवास्तव प्रशिक्षक, एवं संघ कर्मचारियों द्वारा प्रशिक्षण को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल
द्वारा
पैक्स का कम्प्यूटरीकरण हेतु केन्द्र प्रायोजित परियोजना
पैक्स के अधिकारियों/कर्मचारियों हेतु
आधारभूत युनियादी उन्मुखीकरण प्रशिक्षण (BOTP)

Unitech

गणेश अकेडमी

29-May-2023 11:48:12

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल

परियोजना विवरण
Vivo V15
AI Triple Camera

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल

'विश्व पर्यावरण दिवस'

'मिशन लाइफ' कार्यक्रम का आयोजन

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित भोपाल के मुख्यालय मे पर्यावरण दिवस के अवसर पर ''मिशन लाइफ'' के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रांरभ श्री पी.डी. मिश्र से.नि. अपर आयुक्त सहकारिता द्वारा अन्य गणमान्य अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ संघ परिसर में पौधारोपण के साथ हुआ। इस कार्यक्रम में श्री जी.सी. केवलरमानी से.नि. अपर आयुक्त सहकारिता, श्री ऋतुराज रंजन संयुक्त आयुक्त सहकारिता, श्री अरविन्द सिंह सेंगर से.नि. संयुक्त आयुक्त सहकारिता, श्री श्रीकुमार जोशी से.नि. संयुक्त आयुक्त सहकारिता, श्री यू.एस. ठाकुर से.नि. वित्त सचिव, श्री के.आर.साहू से.नि. महाप्रबंधक अपेक्स बैंक, श्री संजय कुमार सिंह महाप्रबंधक म.प्र. राज्य सहकारी संघ, श्री राघवेन्द्र सिंह अधिवक्ता, डॉ नरेन्द्र कुलश्रेष्ठ से.नि. कृषि वैज्ञानिक, श्री जी.पी. मांझी प्राचार्य, म.प्र. राज्य सहकारी संघ, श्री संतोष येडे राज्य समन्वयक, श्री आर.पी. सिंह, एक्स सर्विस मेन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभांरभ श्री पी.डी. मिश्र से.नि. अपर आयुक्त सहकारिता ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अपनी टिप्पणियों में उन्होंने पर्यावरण के लिए जीवन शैली के महत्व पर प्रकाश डाला और भविष्य की पीढियों हेतु संसाधानों को बनाये रखने के लिए एक महत्वपूर्ण विकल्प के रूप में रसायन मुक्त खेती पर जोर दिया। श्री केवलरमानी ने अपने उद्बोधन में पूर्व औद्योगिक युग में वैश्विक तापमान मे वृद्धि एवं कृषि और सम्बद्ध क्षेत्रों पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव के बारे में जानकारी से अवगत कराया। श्री ऋतुराज रंजन प्रबंध संचालक म.प्र. राज्य सहकारी संघ ने अपने स्वागत भाषण मे ''मिशन लाइफ'' के महत्व पर प्रकाश डाला और मान. प्रधानमंत्री द्वारा मिशन लाइफ की शुरूआत की पृष्ठभूमि के बारे में उल्लेख किया। उन्होंने आगे अपनाने के लिए मिशन लाइफ में अन्तर्निहित 07 सिद्धांतों (जल बचत, ऊर्जा बचत, कचरे को कम करना, ई–कचरे को कम करना, एकल उपयोग वाले प्लास्टिक मे कटौती, टिकाऊ खाद्य प्रणालियों को अपनाना और स्वस्थ्य जीवनशैली को अपनाना) की आवश्यकता पर विस्तृत जानकारी दी। श्री सेंगर ने पर्यावरण के लिए जीवन शैली के अनुरूप व्यवहार करने एवं सांस्कृतिक परिवर्तन लाने की आवश्यकताओं पर स्पष्ट रूप से चर्चा की। श्री श्रीकुमार जोशी ने वर्ष 2018 में मनाये गये विश्व पर्यावरण दिवस पर मान. प्रधानमंत्री के प्लास्टिक समाधान के वैश्विक आह्वान को याद किया। जिसमें वर्ष 2022 में चिन्हित एकल उपयोग वाली प्लास्टिक वस्तुओं के निर्माण, आयात, भण्डारण, वितरण, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। कार्यक्रम के अन्त में मिशन लाइफ के सिद्धातों को उपस्थित सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को जीवनशैली में अनुशरण करने हेतु शपथ दिलाई गई।

कृषि मंत्री श्री पटेल ने हरदा में ग्रीष्मकालीन मूंग खरीदी का किया शुभारम्भ

हरदा / कृषि मंत्री श्री कमल पटेल ने हरदा में छीपानेर रोड़ हरदा स्थित एक वेयरहाउस में समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी केंद्र का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होने कहा कि इस वर्ष मूंग की खरीदी के लिये न्यूनतम समर्थन मूल्य गत वर्ष की तुलना में बढ़ाया गया है, जो आगामी वर्षो में भी बढ़ाया जाता रहेगा। उन्होने कहा कि किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने का प्रयास सरकार कर रही है। खेती को लाभ का धन्धा बनाकर किसान की आय दुगुनी करने के लक्ष्य को लेकर केन्द्र व राज्य सरकार कार्य कर रही है। कार्यक्रम में जिला पंचायत के अध्यक्ष श्री गजेन्द्र शाह, उपाध्यक्ष श्री दर्शनसिंह गेहलोद, जिला पंचायत सदस्य श्री ललित पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे। कृषि मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रदेश में ग्रीष्मकालीन मूंग के लिये नहर से सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराकर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों की भलाई का निर्णय लिया है। एक साल में तीसरी फसल लेने से किसानों के चेहरे खिले हुए हैं। कृषि मंत्री पटेल ने कहा कि आज से ही पूरे प्रदेश में मूंग फसल की खरीदी प्रारंभ हो गई है। पूरे प्रदेश में 2 लाख 75 हजार किसानों ने समर्थन मूल्य पर मूंग फसल बेचने के लिए पंजीयन कराए हैं और लगभग 8 लाख 75 हजार हेक्टेयर में जमीन में किसानों ने मूंग की फसल बोई। उन्होने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में 25 से 26 प्रतिशत रकबा बढ़ा है। उन्होने किसानों से अपील की कि समर्थन मूल्य पर मूंग बेचने के लिये आते समय मूंग को साफ करके लायें।

म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित भोपाल की ओर से प्रकाशक, मुद्रक गणेश प्रसाद मांझी द्वारा मध्यप्रदेश राज्य सहकारी मुद्रणालय परिमित, भोपाल से मुद्रित एवं ई-8/77, शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। प्रबंध सम्पादक : ऋतुराज रंजन, संपादक : गणेश प्रसाद मांझी डॉक पंजीयन क्रमांक : म.प्र./भोपाल/357/2021-23 मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967, फोन : 2926159, 2926160, इस अंक में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं जिनमें संपादकीय सहमति आवश्यक नहीं है।